जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 07 मार्च 2020

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जामिया में अलग-अलग कार्येकर्मों का आयोजन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में विश्व महिला दिवस के अवसर पर "महिला समाजशास्त्री के रूप में मेरी यात्रा" विषय पर मीर अनीस हाॅल में एक सार्वजनिक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें प्रसिद्ध समाजशास्त्री प्रो मोहनी अंजुम ने समाज में महिलाओं के प्रति अपने अनुभवों और दृष्टिकोण को साझा किया। जामिया के समाज शास्त्र विभाग की पूर्व प्रोफेसर ने कहा कि विश्वविद्यालय से उनका पुराना और लंबा रिश्ता है, जहाँ लैंगिक समानता और महिलाओं के अधिकारों तथा विकास के समान अवसर हैं। उन्होंने कहा कि समय इतना आगे बढ़ गया है लेकिन फिर भी हम आए दिन महिलाओं के साथ दुव्र्यवहार और उत्पीड़न की ख़बरें सुनते हैं, हमें इसे खत्म करने के लिए कदम उठाने होंगे और समाज में जागरूकता अभियान चलाना होगा।

उन्होंने महिलाओं, विशेष रूप से छात्राओं से कहा कि वे अपने खिलाफ की गई ज्यादतियों पर चुप नहीं रहें, बल्कि इसके खिलाफ आवाज उठाएं। जब तक वे आवाज नहीं उठातीं, समस्या का हल नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि सरकारी और गैर-सरकारी संगठन अपने तरीके से काम कर रहे हैं, लेकिन ख़ास नतीजे सामने नहीं आ रहे हैं। जागरूकता फैलाने और समाज में न्याय का माहौल बनाने के लिए अधिक काम करने की ज़रूरत है।

उन्होंने जामिया की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह खुशी की बात है कि विश्वविद्यालय में महिला अध्ययन नामक एक औपचारिक केंद्र है, जो लिंग समानता और महिलाओं के अधिकारों पर अच्छा काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को न्याय और सच्चाई के बारे में जानने के साथ-साथ अपने माता-पिता और आस-पास के लोगों को भी सिखाना चाहिए ताकि और ज़्यादा समृद्ध और स्वस्थ समाज विकसित हो। इस अवसर पर, प्रतिभागियों ने लिंग समानता और महिला अधिकारों के बारे में कई सवाल किए, जिनके उन्होंने संतोेषजनक उत्तर दिए।

जामिया के प्रो-वीसी प्रो इलयास हुसैन ने समाजशास्त्र विभाग को इस महत्वपूर्ण विषय पर व्याख्यान आयोजित करने के लिए बधाई दी और कहा कि यह बहुत ही संवेदनशील विषय था जिस पर चर्चा करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जामिया के लिए ऐसे विषयों पर खुलकर चर्चा करना गर्व की बात है। विश्वविद्यालय में लैंगिक समानता पर पहले से ही विशेष ध्यान दिया गया है, और ऐसी व्यवस्था की गई

है कि महिलाओं के पास विकास के लिए समान अवसर हों। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नजमा अख़्तर भी इसे लेकर गंभीर हैं और उनके मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय तरक्क़ी की राह पर अग्रसर है।समाज शास्त्र विभाग की प्रमुख अरविंदर ए. अंसारी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

पोलटिकल साइंस की प्रोफेसर और सरोजनी नायडू सेंटर फॉर वुमेन स्टडीज के पूर्व निदेशक प्रोफेसर बुलबुल धर जेम्स ने लैंगिक समानता की समझ के विषय पर एक व्याख्यान दिया। जिसमें उन्होंने एक समाजवादी लोकतांत्रिक समाज के विकास के लिए लैंगिक संवेदनशीलता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्हों ने कहा किसी भी समाज में प्रगति के लिए हमें पुन: समाजीकरण और लैंगिक संवेदनशीलता पर तवज्जो देना होगा जैसा कि हमारे संविधान ने भी इस पर खास धयान दिया है।

उधर दूसरी ओर, एकेडमी ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के सब्जेक्ट्स एसोसिएशन ने 6 मार्च, 2020 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया, जिसमें यूनिवर्सिटी के कई केंद्रों और विभागों के छात्रों ने भाग लिया। प्रश्नोत्तरी शुरू होने से पहले, समीदा चटर्जी (एमए, एआईएस) ने विश्व महिला दिवस पर प्रकाश डाला।सभी प्रश्न वैज्ञानिकों, कलाकारों, लेखकों, फिल्म निर्माताओं, राजनेताओं, व्यवसाय विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, खेल, जमीनी स्तर के आंदोलन के नेताओं की सेवाओं और व्यक्तित्वों से युक्त थे।

अकादमी में द्वितीय वर्ष के एमए के छात्र मनीष मकद कुइज़ मास्टर थे। प्रतियोगिता में कुल 13 टीमों ने भाग लिया। मनीष मकद, नेल्जा वांग्मो, फरहीन आलम और रश्बा यादव (एमए, एआईएस) ने सवाल पूछे थे। पहला स्थान अनित कुमार और राधाक प्रशाि‍र ने हासिल किया, जबकि आसिफ अहमद को दूसरी और आवशी गुप्ता और वली फारूक महमूद तीसरा इनाम मिला। छात्र सलाहकार डॉ। सबिहा आलम ने विजेताओं को प्रमाणपत्र से नवाज़ा ।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक